[This question paper contains 2 printed pages.]

Your Roll No..............

Sr. No. of Question Paper : 7678 F-8

Unique Paper Code : 2051401

Name of the Paper : Bhasha Vigyan Aur Hindi

Name of the Course : B.A. (H.) Hindi

Semester : IV

समय : 3 घण्टे पूर्णांक : 75

LIBRARY

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।

2. सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

1. भाषाविज्ञान का अभिप्राय बताते हुए उसके अध्ययन की विभिन्न पद्धतियों को स्पष्ट कीजिए। (15)

अथवा

व्यंजन किसे कहते हैं ? प्रयत्न के आधार पर इनका वर्गीकरण कीजिए।

2. शब्द से क्या तात्पर्य है ? उत्पत्ति के आधार पर शब्दों का वर्गीकरण कीजिए। (15)

P.T.O.

अथवा

पारिभाषिक शब्द की अवधारणा का विस्तार से विवेचन कीजिए।

3. वाक्य की परिभाषा बताते हुए रचना की दृष्टि से वाक्य के विभिन्न प्रकारों का सोदाहरण विवेचन कीजिए। (15)

अथवा

अर्थ को स्पष्ट करते हुए, अर्थ परिवर्तन के कारणों पर प्रकाश डालिए।

4. हिंदी भाषा के उद्भव और विकास पर प्रकाश डालिए। (15)

अथवा

समाज भाषाविज्ञान से आप क्या समझते हैं ? भाषा और समाज के अन्त:संबंधों का विवेचन कीजिए।

5. किन्हीं दो पर टिप्पणी लिखिए :-

(क) हिंदी के खंड्य स्वनिम;

(ख) भाषा और लिंग;

(ग) शब्द और पद में अंतर;

(घ) स्वर और व्यंजन में अंतर। (8+7)

[This question paper contains 4 printed pages.]

DESHBANDHU COLLEGE LIBRARY Kalkaji, New Delhi-19

Your Roll No. 2017

G

Sr. No. of Question Paper : 6094

Unique Paper Code : 205201

Name of the Paper : हिन्दी-प्रश्नपत्र IV (हिन्दी कहानी)

Name of the Course : **B.A. (Hons.) बी.ए. (ऑनर्स) Hindi**

Semester : IV

Duration : 3 Hours Maximum Marks : 75

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।

1. किन्हीं दो की सप्रसंग व्याख्या कीजिए: (8+8)

(1) सामने के फ्लैटवाली मिसेज़ गिडवानी भी दो बासी रोटियों पर तीन दिन पुराना सालन डालकर घर के बाहर चबूतरे पर रख आयी हैं, क्योंकि उसमें से बास आने लगी थी। इसे कोई गाय खा जाये तो भी ठीक, किसी कुत्ते के मुँह में पड़ जाये तो भी ठीक, और जो गौरी के बच्चे उठाकर खा लें, तो भी ठीक। और गौरी के बच्चे सचमुच लपककर पहुँच गए हैं, जिन्हें देखकर मिसेज़ गिडवानी फिर से अपने बेटे को सीख देने लगी हैं: "देखा? कैसी भूख से खाना खाते हैं। तुझे तो भूख ही नहीं लगती। बात-बात पर नखरे करता है, यह नहीं खाऊँगा, वह नहीं खाऊँगा। देख तो, लगता है जैसे पिकनिक कर रहे हैं।"

P.T.O.

(2) पत्र बड़ा नहीं था। सीधे-सादे ढंग से उसमें यह लिखा था कि "आप जब विवाह के लिय यहाँ पहुँचेंगे तो मुझे प्रस्तुत भी पाएँगे। लेकिन मेरे चित्त की हालत इस समय ठीक नहीं है और विवाह जैसे धार्मिक अनुष्ठान की पात्रता मुझमें नहीं है। एक अनुगता आपको विवाह द्वारा मिल जाएगी। पर चाहिए कि वह जीवन संगिनी भी हो। वह मैं हूँ या हो सकती हूँ, इसमें मुझे बहुत संदेह है। फिर भी अगर आप चाहें आपके माता-पिता चाहें, तो प्रस्तुत मैं अवश्य हूँ। विवाह में आप मुझे लेंगे और स्वीकार करेंगे तो मैं अपने को दे भी दूँगी, आपके चरणों की धूल माथे से लगाऊँगी। आपकी कृपा मनाऊँगी। कृतज्ञ होऊँगी। पर निवेदन है कि यदि आप मुझ पर से अपनी मांग उठा लेंगे, मुझे छोड़ देंगे, तो मैं और भी कृतज्ञ होऊँगी। निर्णय आपके हाथ है। जो चाहे निर्णय करें।"

(3) करुणा के मन की सारी दुर्बलता, सारा शोक, सारी वेदना मानो लुप्त हो गयी, और उनकी जगह उस आत्म-बल का उदय हुआ, जो मृत्यु पर हँसता है, और विपत्ति के साँपों से खेलता है। रत्न-जड़ित, मख़मली म्यान में जैसे तेज़ तलवार छिपी रहती है, जल के कोमल प्रवाह में जैसे असीम शक्ति छिपी रहती है, वैसे ही रमणी का कोमल हृदय साहस और धैर्य को अपनी गोद में छिपाये रहता है। क्रोध जैसे तलवार को बाहर खींच लेता है, विज्ञान जैसे जल-शक्ति का उद्घाटन कर लेता है, वैसे ही प्रेम रमणी के साहस और धैर्य को प्रदीप्त कर देता है।

2. दिए गए निर्देशों के आधार पर किन्हीं दो पाठांशों का रचना-कौशल लगभग 150 शब्दों में स्पष्ट कीजिए। (7,7)

(1) <u>निर्देश : दलित-चेतना की दृष्टि से</u>

राकेश अपने भीतर उठने वाली बेचैनी को जितना दबाने की कोशिश कर रहा था, वह उतना ही तीव्रता से बढ़ रही थी। वह फ़िर से कुर्सी पर बैठ गया था। सोनकर का चेहरा उसके उद्वेलित कर रहा था। सोनकर की ज़द्दोज़हद राकेश की अपनी पीड़ा बन गई थी। उसने एक गहरी साँस ली और झटके से उठकर खड़ा हो गया था। उसने तय कर लिया था, वह सोनकर की अन्तिम यात्रा में शामिल ही नहीं होगा, उसे कन्धा भी देगा।..

(2) <u>निर्देश : कथा-भाषा की दृष्टि से</u>

मलबे के नीचे नाली का पानी हल्की आवाज़ करता बह रहा था। रात की खामोशी को काटती हुई कई तरह की हल्की-हल्की आवाज़ें मलबे की मिट्टी में से सुनाई दे रही थीं.... च्यु..च्यु....च्यु... चिक्-चिक्-चिक्. .. किर्. र्.र्.र्.- रीरीरीरी- चिर्.र्.र्। एक भटका हुआ कौआ न जाने कहाँ से उड़कर उस चौखट पर आ बैठा। इससे लकड़ी के कई रेशे इधर-उधर छितरा गए। कौए के वहाँ बैठते-न-बैठते मलबे के एक कोने में लेटा हुआ कुत्ता गुर्रा कर उठा और जोर-जोर से भौंकने लगा - वऊ-अऊ-वऊ।

(3) <u>निर्देश : परिवेश की दृष्टि से</u>

चाँद की ख़बर के साथ ही घर का माहौल एकदम बदल जाता है। बच्चे टोपियाँ लगाकर सलाम करते तराबियाँ पढ़ने मस्ज़िद की तरफ़ दौड़ जाते हैं। सहरी की तैयारी होने लगती है। अम्माँजी अपने हाथ से घड़ी का अलार्म, जिसे वे 'जाग' कहती हैं, सेट करके, घड़ी खुद अपने सिरहाने

रखकर सोती है। 'जाग' बजते ही वे खुद उठकर सारे घरवालों को जगा देती हैं। चूल्हें के इर्द-गिर्द बैठकर सब लोग सहरी भी करते जाते हैं। और एक-दूसरे से बातचीत भी। सुबह के नाश्ते और दोपहर के खाने का चूल्हा जलना बंद, सिर्फ शाम को इफ्तार और खाने का ख़ास इंतज़ाम किया जाता है। यह देखते हुए उसके अम्माँजी से अपने रोज़ा न रखने की बात कहने की हिम्मत न होती।

विभाजन के संदर्भ में मोहन राकेश की कहानी 'मलबे का मालिक' के कथ्य का विश्लेषण कीजिए। (15)

अथवा

निर्मल वर्मा की कहानी 'धूप का एक टुकड़ा' मूल संवेदना पर विचार कीजिए।

शिल्प की दृष्टि से जैनेन्द्र की 'जाह्नवी' कहानी की समीक्षा कीजिए। (15)

अथवा

'एक कमज़ोर लड़की' कहानी के अधार पर रूप की चारित्रिक विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।

"टेपचू कभी मर नहीं सकता..... क्योंकि संघर्ष ही उसकी नियति है।"- इस कथन के संदर्भ में टेपचू के चरित्र का विश्लेषण कीजिए। (15)

अथवा

'पिकनिक' कहानी की विशेषताओं पर विचार कीजिए।

(200)

[This question paper contains 4 printed pages.]

DESHBANDHU COLLEGE LIBRARY Kalkaji, New Delhi-19 16/5/17

Your Roll No...........

Sr. No. of Question Paper : 6096 G

Unique Paper Code : 205401

Name of the Paper : Adhunik Kavita-1

Name of the Course : **B.A. (Hons.) Hindi**

Semester : IV

Duration : 3 Hours Maximum Marks : 75

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।

1. निम्नलिखित में से **किन्हीं दो** काव्यांशों की संदर्भ सहित व्याख्या कीजिए। (8+8=16)

(क) हे ईश! बहु उपकार तुमने सर्वदा हम पर किये,

उपहार प्रत्युपकार में क्या दें तुम्हें इसके लिये?

है क्या हमारा सृष्टि में? यह सब तुम्हीं से है बनी,

सतत ऋणी हैं हम तुम्हारे, तुम हमारे हो धनी!

(ख) चढ़ रही थी धूप;

गर्मियों के दिन

दिवा का तमतमाता रूप;

P.T.O.

उठी झुलसाती हुई लू,

रुई ज्यों जलती हुई भू,

गर्द चिनगीं छा गयी,

प्राय: हुई दुपहर:-

वह तोड़ती पत्थर!

(ग) अपना खोया संसार न तुम पाओगी।

राधा माँ का अधिकार न तुम पाओगी।

छीनने स्वत्वं उसका तो तुम आयी हो,

पर, कभी बात यह भी मन में लायी हो?

उसको सेवा, तुमको सुकीर्ति प्यारी है,

तुम ठकुरानी हो, वह केवल नारी है।

(घ) कोई नभ से आग उगलकर किये शान्ति का दान,

कोई माँज रहा हथकड़ियाँ छेड़ क्रान्ति की तान!

कोई अधिकारों के चरणों चढ़ा रहा ईमान,

'हरी घास शूली के पहले की'-तेरा गुण गान!

आशा मिटी, कामना टूटी, बिगूल बज पड़ी यार!

मैं हूँ एक सिपाही! पथ दे, खुला देख वह द्वार!!

2. निम्नलिखित काव्यांशों में से किन्हीं दो का रचना-कौशल (लगभग 150 शब्दों में) उद्घाटित कीजिए: (7+7=14)

(क) **निर्देश : स्वातंत्र्य भावना**

हिमाद्रि तुंग श्रृंग से

प्रबुद्ध शुद्ध भारती

स्वयम्प्रभा समुज्जवला

स्वतंत्रता पुकारती

'अमर्त्य वीर पुत्र हो, दृढ़ प्रतिज्ञ सोच लो

प्रशस्त पुण्य पंथ है,-बढ़े चलो, बढ़े चलो।'

(ख) **निर्देश : मित्रता**

लेकिन, यह होगा नहीं देवि! तुम जाओ

जैसे भी हो सुत का सौभाग्य मनाओ।

दे छोड़ भले ही कभी कृष्ण अर्जुन को

मैं नहीं छोड़ने वाला दुर्योधन को।

(ग) **निर्देश : यथार्थ बोध**

मरने में आदमी की कफ़न करते हैं तैयार

नहला धुला उठाते हैं, कांधे पे कर सवार

कलमा भी पढ़ते हैं, रोते हैं जार-जार

सब आदमी ही करते हैं मुर्दे का कारोबार

और वो जो मर गया है, सो है वो भी आदमी।

(घ) **निर्देश : राष्ट्रीय भावना**

वीरों का कैसा हो बसन्त?

आ रही हिमालय से पुकार,

है उदधि गरजता बार-बार

प्राची, पश्चिम, भू, नभ, अपार

सब पूछ रहे हैं दिग्-दिगन्त,

वीरों का कैसा हो बसन्त?

3. किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर दीजिए। (15 + 15 + 15 = 45)

(क) मैथिलीशरण गुप्त की काव्य भाषा का विश्लेषण कीजिए।

(ख) 'रश्मिरथी' के आधार पर कर्ण का चरित्र-चित्रण कीजिए।

(ग) माखन लाल चतुर्वेदी के काव्य में राष्ट्रीय चेतना का मूल्यांकन कीजिए।

(घ) जय शंकर प्रसाद के काव्य में प्रेम और सौन्दर्य-भावना का विश्लेषण कीजिए।

(ङ) सुभद्रा कुमारी चौहान के काव्य-सौष्ठव का मूल्यांकन कीजिए।

(च) 'तोड़ती पत्थर' कविता में कवि की सर्वहारा वर्ग के प्रति सहानुभूति एवं पूँजीपति वर्ग के प्रति आक्रोश व्यक्त है, स्पष्ट कीजिए।

[This question paper contains 2 printed pages.] (17)

DESHBANDHU COLLEGE Kalkaji, New Delhi-19 18/5/17 LIBRARY

Your Roll No.....

Sr. No. of Question Paper : 6097 **G**

Unique Paper Code : 205402

Name of the Paper : प्रश्नपत्र–11 Samanya Bhasha Vigyan aur Hindi Bhasha

Name of the Course : **B.A. (Hons) Hindi**

Semester : IV

Duration : 3 Hours Maximum Marks : 75

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।

1. भाषा की परिभाषा तथा उसके अभिलक्षणों का विवेचन कीजिए।

अथवा

भाषा विज्ञान का स्वरूप बताते हुए विभिन्न अध्ययन पद्धतियों का परिचय दीजिए। (15)

2. ध्वनि-परिवर्तन की दिशाओं पर प्रकाश डालिए।

अथवा

स्वनिम और संस्वन की संकल्पना को स्पष्ट करते हुए दोनों में अंतर बताइए। (15)

P.T.O.

3. रचना के आधार पर वाक्य के प्रकार बताइए।

अथवा

शब्द और अर्थ के पारस्परिक संबंध का विवेचन करते हुए अर्थ-निर्णय के साधनों का उल्लेख कीजिए। (15)

4. पश्चिमी हिन्दी की बोलियों का सामान्य परिचय दीजिए।

अथवा

हिन्दी की स्वनिम व्यवस्था का परिचय दीजिए। (15)

5. किसी **एक** पर टिप्पणी लिखिए :

(क) अर्थ परिवर्तन की दिशाएँ

(ख) स्वर का वर्गीकरण

(ग) वाक्य के निकटस्थ अवयव (8)

6. किसी **एक** पर संक्षिप्त लेख लिखिए :

(क) पाणिनि का भाषा-चिंतन

(ख) सपीर का मौखिक विमर्श

(ग) बौद्ध-चिंतकों का भाषा संबंधी योगदान (7)

(18)

[This question paper contains 4 printed pages.]

DESHBANDHU COLLEGE
31/5/19
LIBRARY
Kalkaji, New Delhi-19

Your Roll No.....

Sr. No. of Question Paper : 6098

G

Unique Paper Code : 205403

Name of the Paper : Hindi Paper – XII, हिन्दी उपन्यास

Name of the Course : **B.A. (Hons.) Hindi**

Semester : IV

Duration : 3 hours

Maximum Marks : 75

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।
2. **सभी** प्रश्न अनिवार्य हैं।

1. 'कर्मभूमि' उपन्यास गाँधीवादी विचारधारा की पैरवी करता है - विचार कीजिए।

अथवा

'सुखदा' की चारित्रिक विशेषताएँ स्पष्ट कीजिए। (12)

2. 'सुषमा आत्मनिर्भर, एवं अविवाहित स्त्री है, जिसे परिवार और समाज सदैव नैतिकता की तुला पर तौलता है'। 'पचपन खम्भे लाल दीवारें' उपन्यास के सन्दर्भ में प्रस्तुत कथन पर विचार कीजिए।

अथवा

'झाँसी की रानी' उपन्यास स्वराज प्राप्ति के उद्देश्य से लिखा गया है - युक्तियुक्त उत्तर दीजिए। (12)

3. 'तमस' उपन्यास में विभाजन केवल भौगोलिक ही नहीं, मानवीय संवेदनों का भी बँटवारा था - सिद्ध कीजिए।

अथवा

'तमस' उपन्यास के आधार पर नत्थू का चरित्र चित्रण कीजिए। (12)

4. निम्नलिखित में से **किन्हीं तीन** की सप्रसंग व्याख्या कीजिए: (8×3=24)

(क) मुझे इस्लाम में ऐसी कोई बात नहीं नज़र आती, जिसे मेरी आत्मा स्वीकार न करती हो। धर्म-तत्व सब एक हैं। हज़रत मुहम्मद को खुदा का रसूल मानने में मुझे कोई आपत्ति नहीं। जिस सेवा, त्याग, दया, आत्म-शुद्धि पर हिन्दू-धर्म की बुनियाद कायम है, उसी पर इस्लाम की बुनियाद भी कायम है। इस्लाम मुझे बुद्ध और कृष्ण और राम की ताज़ीम करने से नहीं रोकता।

(ख) मेघ का वह अल्पांश जो आज एक साल हुए उसके हृदय-आकाश में पक्षी की भांति उड़ता हुआ आ गया था, धीरे-धीरे संपूर्ण आकाश पर छा गया था। अतीत की ज्वाला में झुलसी हुई कामनायें इस शीतल छाया में फिर हरी होती जाती थीं। वह शुष्क जीवन उद्यान की भाँति सौरभ और विकास से लहराने लगा है।

(ग) उसी रात रोज ने सतर्कता के साथ जार पहाड़ी पर तोपखाने के मोर्चे बांधे। सुबह होते ही तोपों के मुहरें ठीक किये, निशाने साधे। तोपों पर पलीते पड़े और शहर का विध्वंस आरम्भ हो गया। लोग बेहिसाब मरने और घायल होने लगे। जहाँ-तहाँ आग लगी। बाज़ार बंद रहे। साधारण जनता भूखी-प्यासी मरने लगी। शहर में हाहाकार मच गया।

(घ) सुषमा ने करवट बदली, बाहर हवा ने पेड़ों की नग्न टहनियों को झकझोर दिया। सुषमा को लगा कि जैसे वह शरशैया पर लेटी है। बुरी तरह बिंधी हुई, दारुण यन्त्रणा से छटपटाती हुई। उसके चारों तरफ का वातावरण उसके हृदय पर ऐसा भारी बोझ बन कर जम गया था जिसमें नील का स्पर्श, नील की आँखों की कोमलता धुंधली पड़ जाती थी। दुःख के इन क्षणों में वह नितांत अकेली थी।

(ङ) चाँद निकल आया था, और चारों ओर छिटकी चांदनी में हर पेड़ और हर चट्टान के पीछे छिपे किसी अज्ञात शत्रु का भास होने लगा था। नदी सूखी पड़ी थी और चाँदनी में नदी का पाट सफ़ेद चादर-सा बिछा था। पति-पत्नी ऊंचे किनारे पर से उतर आए थे और अब उसी की ओट में धीरे-धीरे दाएं हाथ आगे की ओर बढ़ने लगे थे। नदी का किनारा जहाँ वे चले जा रहे थे, छोटे-बड़े पत्थरों से अटा पड़ा था और दोनों हाँफने लग थे। दोनों के कान बलवाइयों की ओर लगे थे।

(च) कुछ देर बाद बाबू स्वयं सीढ़ियाँ उतरकर आँगन में आ गया। मेज़ पर ज़्यादा देर तक बैठे रहना उसके लिए असंभव हो जाता था। शाम तक दफ़्तर में रहना ज़रूरी होता था, क्योंकि दिन-भर की तफ्सील का शाम

के वक्त जोड़ लगाया जाता था, फिर उन तथ्यों की एक नक़ल अखबार के नुमाइंदे को भेजी जाती, एक कांग्रेस के दफ़्तर में, तीसरी फ़ाइल में। पर मौत के आंकड़ों में उन्नीस-बीस का फर्क होता। कहीं दो मुसलमान ज़्यादा तो कहीं दो हिन्दू कम।

5. किसी **एक प्रश्न** का उत्तर दीजिए : (15)

(i) 'जहाज का पंछी' उपन्यास की तात्विक समीक्षा कीजिए।

(ii) 'जहाज का पंछी' उपन्यास के नायक की चारित्रिक विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।

(iii) 'रागदरबारी' में चित्रित राजनीतिक-सामाजिक परिदृश्य पर विचार कीजिए।

(iv) 'रागदरबारी' उपन्यास की शिल्पगत विशेषताएं स्पष्ट कीजिए।

(v) 'कठगुलाब' में अभिव्यंजित स्त्री विमर्श का विवेचन कीजिए।

(vi) 'कठगुलाब' उपन्यास की नायिका का चरित्र-चित्रण कीजिए।